संख्या 1001/व0ग्रा0वि0/2001

प्रेषक,

डा. आर.एस. टोलिया,
प्रमुख सचिव एवं आयुक्त,

सेवा में,

समस्त मुख्य विकास अधिकारी,
उत्तरांचल.

वन एवं ग्राम्य विकास विभाग देहरादून : दिनांक अक्टूबर 10, 2001

महोदय,

स्वर्ण जयंती स्वरोजगार योजना के अन्तर्गत स्वयं सहायता समूहों के गठन की महत्वाकांक्षी योजना "आपरेशन एस.एच.जी." आपको पूर्व में ही उपलब्ध कराई गई है. इस प्रोजेक्ट में आपके जनपद हेतु लक्ष्य भी निर्धारित किये गये हैं. इस कार्यक्रम को अभियान के रूप में चलाने की आवश्यकता है. मा0 ग्रामीण विकास मंत्री भारत सरकार द्वारा कतिपय सुझाव दिये गये हैं कार्यक्रम के सफल संचालन हेतु निम्न बिन्दुओं पर ध्यान केन्द्रित करते हुए कार्यवाही की जानी आवश्यकीय है. इससे न सिर्फ कार्यक्रम में गति आयेगी अपितु गुणवत्ता भी बनी रहेगी.

1. प्रशिक्षण हेतु प्रशिक्षकों की पहचान एवं चयन करना.
2. स्वयं सहायता समूहों को गठित करने हेतु स्टाफ के प्रशिक्षण की व्यवस्था.
3. स्वयं सेवी संगठनों का चिन्हीकरण, उनका प्रशिक्षण तथा स्वयं सहायता समूह गठन हेतु ओरियंटेशन कार्यक्रम.
4. लक्ष्य पूर्ति हेतु चरणबद्ध योजना तैयार करना.
5. ग्राम पंचायतों से बसासत तक की योजना तैयार करना.
6. जिला ग्राम्य विकास अभिकरण, जिला पंचायतों, महिला एवं बाल विकास, प्रौढ़ शिक्षा तथा युवा कल्याण आदि संस्थाओं को समूह बनाने हेतु प्रेरित करना.
7. बैंक के फील्ड स्तरीय कार्यकर्ताओं को कार्यक्रम में सम्मिलित करना.
8. प्रदेश स्तर पर किसी वरिष्ठ अधिकारी को पूर्ण रूपेण स्वयं सहायता

समूहों के अनुश्रवण हेतु उत्तरदायी बनाना.

उपर्युक्त बिन्दु संख्या 1 से 7 तक की कार्यवाही आपके द्वारा प्राथमिकतानुसार की जानी है। कृपया शीघ्रतिशीघ्र कार्यवाही कर, कार्यक्रम को अभियान के रूप में संचालित करते हुए पाक्षिक सूचना विशेष कार्याधिकारी एस. एच.जी. को उपलब्ध कराते रहें.

भवदीय,

(डा. आर.एस. टोलिया)